

Participants : Yadav Shri Devendra Prasad

an>

Title : Need to disclose the name of an alleged mole in PMO as stated by the former Foreign Minister.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, पीएमओ में जासूसी के सवाल पर करोड़ों लोग टकटकी लगाये हुए हैं कि आखिर क्या हुआ? एक पूर्व विदेश मंत्री द्वारा भ्रम फैलाया गया, देश को कई दिनों तक अंधकार में रखा गया। मैं उस विदेश मंत्री का यहां नाम नहीं लेना चाहता हूं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि करोड़ों लोगों की इस बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ गयी। पूरे देश में एक सेन्सेशन फैल गयी लेकिन खोदा पहाड़ निकली चुहिया। कोई रिजल्ट नहीं आया। जासूस का नाम नहीं बताया गया। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में करोड़ों लोगों को संदेह, संशय और दुविधा में डालना किस हद तक मुनासिब है। वे बहुत बड़ी मर्यादा और राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं। आज के अखबार में आया है कि भेदिया गुमनाम ही रहा, भेद उजागर नहीं।

अध्यक्ष महोदय, पूर्व विदेश मंत्री ने अपनी किताब में लिखित रूप में जासूस का जिक्र किया है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। पूर्व विदेश मंत्री का यह व्यवहार गैर जिम्मेदाराना है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और परमाणु के परीक्षण से जुड़ा हुआ मामला है। उनका कहना है कि परमाणु परीक्षण के लिए जासूस ने लिखकर दिया है। यह वर्ष 1992-93 के तत्कालीन प्रधानमंत्री के समय की बात है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है [\[p27\]](#)।

जो लोग खुद इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना आचरण करते हैं, उनको देश के सामने, चूंकि देश की आवाम टकटकी लगाए हुई थी कि उस जासूस का नाम सामने आए और इसके बारे में उनका एक पत्र भी है, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि देश में जो सन्देह पैदा हो गया है, इस तरह के अपराध के लिए उनको सार्वजनिक रूप से देश से क्षमा मांगनी चाहिए। इस तरह का आचरण जो देश की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामले से जुड़ा हुआ है, एक राष्ट्रीय अपराध की तरह है।

MR. SPEAKER: The other Matters of Urgent Public Importance will be taken up at the end of the day.

The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

13.11 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till

Fourteen of the Clock.
